



न्यायालय

## सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2023 / 239

दर्ज तिथि:-20.07.2023

1. ओखाराम पुत्र हरजीराम
2. गुमानाराम पुत्र हीराराम
3. चेनाराम पुत्र हीराराम  
जाति राईका(रबारी) निवासी गांधव कला तहसील गुडामालानी

.....वादीगण

### बनाम

1. रणछोड़ाराम पुत्र वजाराम के कायम मुकाम  
1/1 जैरूपाराम पुत्र रणछोड़ाराम  
1/2 मूलाराम पुत्र रणछोड़ाराम  
1/3 हेमाराम पुत्र रणछोड़ाराम  
1/4 मानाराम पुत्र रणछोड़ाराम  
1/5 समदादेवी पत्नी रणछोड़ाराम  
जाति राईका(रबारी) निवासी गांधव कला तहसील गुडामालानी
2. प्रबन्धक इण्डस टॉवर लिमिटेड, जयपुर
3. प्रबन्धक एयरटेल कम्पनी लिमिटेड ब्रान्च कार्यालय बाड़मेर।
4. शाखा प्रबन्धक ग्रामीण मरूधरा बैंक शाखा धोरीमना
5. तहसीलदार गुडामालानी

.....असल प्रतिवादी

.....तरतीबी प्रतिवादी

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री हरिराम विश्नोई

प्रतिवादी संख्या 1:-श्री गंगाराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्त0 अधिनियम-1955

### :-निर्णय:-

निर्णय तिथि:- 25.05.2026

1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा- 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 का बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र

अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी खसरा संख्या 116/4.1602 है0 वाके ग्राम गांधव कला तहसील गुड़ामालानी में अवस्थित है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं प्रतिवादीगण असल की शामिलती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है।

2. प्रकरण में विद्वान अभिभाषक उभय पक्षकारान की बहस सुनी गई। तत्पश्चात प्रकरण में दिनांक 04.07.2024 को प्रारम्भिक डिक्री जारी की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से कुर्रेजात रिपोर्ट तलब की गई। प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2025/475 दिनांक 25.03.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
<p><b>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields.</b> - The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 25.02.2025 को तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारो को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 518-527 दिनांक 07.02.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 25.02.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 518-527 दिनांक 07.02.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 25.02.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>

4. प्रकरण में बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2071-2074 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट नजरी नक्शा पर का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण हाल संख्या संयुक्त आराजी खसरा संख्या 116/4.1602 है0 वाके ग्राम गांधव कला तहसील गुड़ामालानी के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं असल प्रतिवादीगण की शामिलती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादी तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है

एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। पक्षकार की कुर्रजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस पर सहमति को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है। प्रकरण में वादी द्वारा आपत्ति प्रस्तुत की गई है कि मुतनाजा संयुक्त खातेदारी आराजी के मध्य होकर एक नहर चलायमान है। साथ ही मुतनाजा संयुक्त खातेदारी आराजी पर ही एक डिग्गी अवस्थित है। उक्त डिग्गी में अवाप्त हुई आराजी को केवल वादी की खातेदारी आराजी से कम किया गया है। इसलिये उक्त डिग्गी में अवाप्त हुई आराजी को सभी सहखातेदारों की संयुक्त आराजी से कम किया जाकर संशोधित विभाजन किया जावे।

5. प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2025/475 दिनांक 25.03.2025 द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। साथ ही मुतनाजा आराजी का पीठासीन अधिकारी द्वारा भी मौका निरीक्षण किया गया। उक्त पीठासीन अधिकारी के मौका निरीक्षण के दौरान सभी पक्षकारान उपस्थित रहे। वक्त मौका निरीक्षण मौका व रिकॉर्ड के अवलोकन से ज्ञात होता है कि उक्त डिग्गी में अवाप्त हुई आराजी को समस्त सहखातेदारों की खातेदारी आराजी से कम किया गया है। साथ ही उक्त डिग्गी का निर्माण नहर हेतु अवाप्त हुई भूमि के अंदर ही किया गया है। इस कारण किसी भी सहखातेदार की आराजी विशेष में कोई नुकसान नहीं हो रहा है। इस आधार पर उक्त आपत्ति आधारहीन होने के कारण काबिल-ए-खारिज है। इस कारण तहसीलदार गुड़ामालानी के द्वारा प्रेषित विभाजन प्रस्ताव को यथावत रखा जाना उचित प्रतीत होता है। अतः दावा वादीगण मुताबिक विभाजन-प्रस्ताव (कुर्रजात रिपोर्ट) एवं मय नक्शा-ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।
6. प्रकरण में वादी द्वारा तकसीम आराजी के साथ-साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:-

**188. Injunction against wrongful ejectment—**

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;

(b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;

(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.

(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

7. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए हैं। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई हैं:-

परिस्थिति	विवरण
1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

8. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में वादी का प्रथम अनुतोष स्वीकार होने के पश्चात् मुतनाजा आराजी पर वादी का संयुक्त काश्तकार घोषित होने के आधार पर वादी की संयुक्त खातेदारी होना पूर्ण रूप से साबित होती है। अतः मुतनाजा आराजी पर मुताबिक हिस्सा वादी का संयुक्त स्वामित्व अविवादित है। प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात् वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादी व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।

9. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं

आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

दावा वादीगण एवं प्रतिदावा प्रतिवादी सं. 01 अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या संयुक्त आराजी खसरा संख्या संख्या 116/4.1602 है0 वाके ग्राम गांधव कला तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुरेजात रिपोर्ट एवं प्रस्ताव व नजरी नक्शा मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा (है0 में)	किस्म
ओखा पुत्र हरजी जाति रबारी सा0 देह खातेदार राहिन हिस्सा RMGB शाखा गुड़ामालानी	पूर्ण	गांधव कला	116	0.3181	बा0दो0
			116	0.8960	बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 1.2141 है0					
गुमनाराम पुत्र हीरा	1/2	गांधव कला	116	0.2104	बा0दो0
चेनाराम पुत्र हीरा जाति रबारी सा0 देह खातेदार	1/2		116	1.0036	बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 1.2140 है0					
जयरूपा पुत्र रणछोड़ाराम	1/5	गांधव कला	116	0.3414	बा0दो0
मूलाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/5				
मानाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/5				
हेमाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/5				
समदादेवी पत्नी रणछोड़ाराम जाति रबारी सा0 देह खातेदार	1/5				
कुल किता 02 रकबा 1.2141 है0					
ओखा पुत्र हरजी	1/3	गांधव कला	116	0.5180	बा0दो0
गुमनाराम पुत्र हीराराम	1/6				
चेनाराम पुत्र हीराराम	1/6				
जयरूपा पुत्र रणछोड़ाराम	1/15				
मूलाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/15				
मानाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/15				

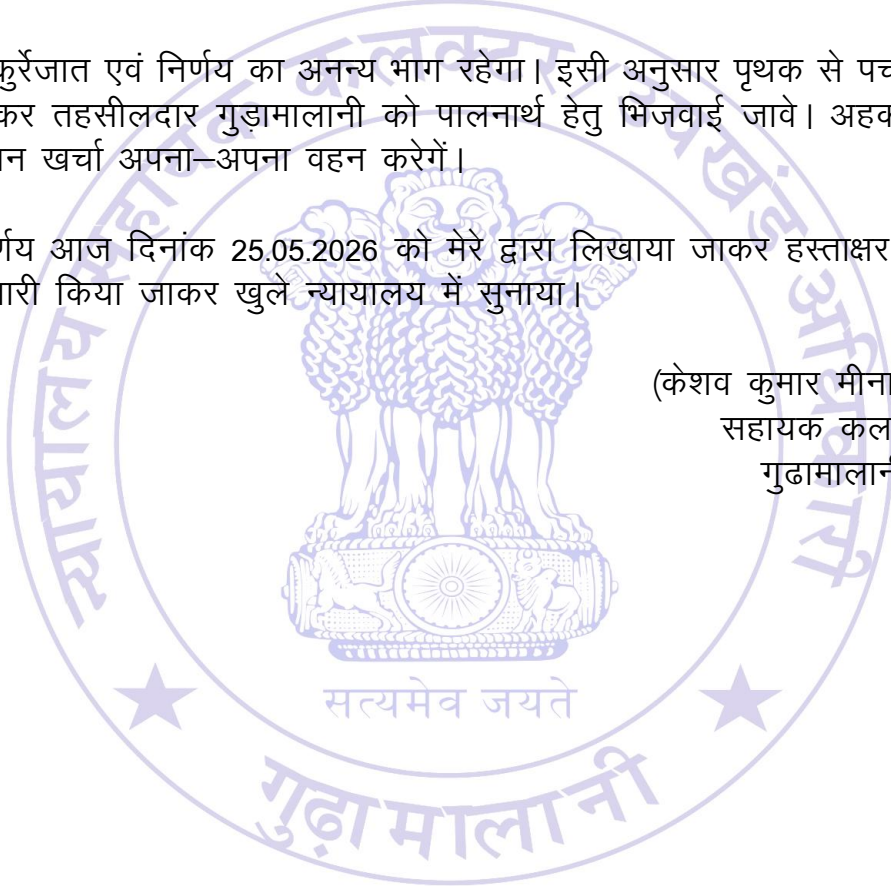
हेमाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1 / 15				
समदादेवी पत्नी रणछोड़ाराम	1 / 15				
जाति रबारी सा0 देह खातेदार					
कुल किता 01 रकबा 0.5180 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रुकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात एवं निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह निर्णय आज दिनांक 25.05.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)  
सहायक कलक्टर  
गुड़ामालानी





न्यायालय

## सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2023 / 239

दर्ज तिथि:-20.07.2023

1. ओखाराम पुत्र हरजीराम
2. गुमानाराम पुत्र हीराराम
3. चेनाराम पुत्र हीराराम  
जाति राईका(रबारी) निवासी गांधव कला तहसील गुडामालानी

.....वादीगण

**बनाम**

1. रणछोड़ाराम पुत्र वजाराम के कायम मुकाम  
1/1 जैरूपाराम पुत्र रणछोड़ाराम  
1/2 मूलाराम पुत्र रणछोड़ाराम  
1/3 हेमाराम पुत्र रणछोड़ाराम  
1/4 मानाराम पुत्र रणछोड़ाराम  
1/5 समदादेवी पत्नी रणछोड़ाराम  
जाति राईका(रबारी) निवासी गांधव कला तहसील गुडामालानी
2. प्रबन्धक इण्डस टॉवर लिमिटेड, जयपुर
3. प्रबन्धक एयरटेल कम्पनी लिमिटेड ब्रान्च कार्यालय बाड़मेर।
4. शाखा प्रबन्धक ग्रामीण मरुधरा बैंक शाखा धोरीमना
5. तहसीलदार गुडामालानी

.....असल प्रतिवादी

.....तरतीबी प्रतिवादी

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री हरिराम विश्नोई

प्रतिवादी संख्या 1:-श्री गंगाराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्त0 अधिनियम-1955

-:पर्चा डिक्री:-

दावा वादीगण एवं प्रतिदावा प्रतिवादी सं. 01 अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 116/4.1602 है0 वाके ग्राम गांधव कला तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुरेजात रिपोर्ट एवं मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा (है0 में)	किस्म
ओखा पुत्र हरजी जाति रबारी सा0 देह खातेदार राहिन हिस्सा RMGB शाखा गुड़ामालानी	पूर्ण	गांधव कला	116	0.3181	बा0दो0
			116	0.8960	बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 1.2141 है0					
गुमनाराम पुत्र हीरा	1/2	गांधव कला	116	0.2104	बा0दो0
चेनाराम पुत्र हीरा जाति रबारी सा0 देह खातेदार	1/2		116	1.0036	बा0दो0
कुल किता 02 रकबा 1.2140 है0					
जयरूपा पुत्र रणछोड़ाराम	1/5	गांधव कला	116	0.3414	बा0दो0
मूलाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/5				
मानाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/5				
हेमाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/5				
समदादेवी पत्नी रणछोड़ाराम जाति रबारी सा0 देह खातेदार	1/5				
कुल किता 02 रकबा 1.2141 है0					
ओखा पुत्र हरजी	1/3	गांधव कला	116	0.5180	बा0दो0
गुमनाराम पुत्र हीराराम	1/6				
चेनाराम पुत्र हीराराम	1/6				
जयरूपा पुत्र रणछोड़ाराम	1/15				
मूलाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/15				
मानाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/15				
हेमाराम पुत्र रणछोड़ाराम	1/15				
समदादेवी पत्नी रणछोड़ाराम जाति रबारी सा0 देह खातेदार	1/15				
कुल किता 01 रकबा 0.5180 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रुकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात एवं नक्शा डिक्री का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह डिक्री आज दिनांक 25.05.2026 को मेरे द्वारा लिखाई जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाई गई।



(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)  
सहायक कलक्टर  
गुडामालानी